ED-202

M.A. 1st Semester
Examination, March-April 2021

HINDI

Paper - II

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
(रासो काव्य, लौकिक एवं निर्गुण काव्य)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 80

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. निम्नलिखित काव्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×3

(क) सुगंध केस पायसं। सुलग्गि मुत्त छड़िययं।
अनेक पुष्प बीचि गुंथि। भासिता त्रिषंडियं।
मनो सनाम पुष्पु जाति। तीन पंथि मंडियं।
दुति कि नाग चंदनं। चढंग दुन्दू षंडियं।

अथवा

चाँद-सार लये मुख घटना करू; लोचन चकित चकोर।

अमिय धोय आंचर धमि पोंछली, दस दिसि भेज ऊँजारे।

जुग-जुग के विहि बूढ़ निरस, उर कामिनी कोने गढ़ली।

रूप-सरूप मोयं कहइत असंभव लोचन लागि रहली।

गुरु नितंब भरे चलये न पारये मांझ खानि खीनि निभाई।

भागि जात मनसिज धरि राखलि त्रिबलि लता अरुहाई।

(ख) काहे री नलिनी तूँ कुम्हिलानी तेरे ही नालि सरोवर पानी।

जल में उत्पत्ति जल में वास, जल में नलिनी तोर निवास॥

ना तल तपति न ऊपरि आगि, तोर हेतु कहु कासानि लागि।

कहै कबीर जे उदिक समान, ते नहीं मुवे हमारे जान॥

अथवा

राम रसाइन प्रेम रस, पीवत अधिक रसाल।
कबीर पीवण दुलभ है, मांगे सीस कलाल॥
कबीर माटी कलाल की, बहुतक बैठे आय।
सिर सौंपे सोई पिवै, नहिं तो पिया न जाय॥

(ग) चढ़ा असाढ़ गगन घन गाजा। साजा बिरह दुंद दल बाजा॥
धूम साम धौरे घन धाये। सेत धजा बग पांति देखाये॥
खड़क-बीजू चमके चहुं ओरा। बूंद बान बरसहिं घनघोरा॥
ओनई घटा आई चहुं फेरी। कंत उबारू मदन हौं घेरी॥
दादुर मोर कोकिला पीऊ। गिरै बिजू घट रहै न जीऊ॥

अथवा

जेठ जरै जग चलै लुवाटा। उठहीं बवंडर परहिं अंगारा॥
बिरह गाजि हनुवंत होइ जागा। लंका-दाह करै तनु लागा॥

चारिहु पवन झकोरे आगी। लंका दाहि पलंका लागी॥

दहि भइ साम नद कालिंदी। बिरहक आगि कठिन अति मंदी॥

उठै आगि औ आवै आंधी। नैन न सूझ मरौं दुख बांधी॥

2. 'पृथ्वीराज रासो' के महाकाव्य पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

भक्तिकालीन काव्य की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

3. 'पद्मावत' के दार्शनिक पक्ष का उद्घाटन कीजिए। 10

अथवा

संत काव्य की प्रमुख विशेषताएं बताइए।

4. विद्यापति की काव्य-कला पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

भक्तिकालीन कविता के आधार पर निरगुन और सगुन का भेद स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2×5

(*i*) रासो का अर्थ

(*ii*) साखी का अर्थ

(*iii*) 'पद्मावत' का प्रतीकार्थ

(*iv*) ज्ञानमार्गी काव्य-धारा

(*v*) रहीम के दोहे

(*vi*) रसखान की काव्य-भाषा

(*vii*) संत कवि रैदास

(*viii*) मीरा के ईष्टदेव

(*ix*) खुसरो की मुकरियां

(*x*) विद्यापति की श्रृंगार दृष्टि

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×10

(*i*) वीरगाथा काल को और किस नाम से जाना जाता है ?

(*ii*) भक्तिकाल को और किस नाम से जाना जाता है ?

(*iii*) चंदवरदायी किस राजा के सेनापति थे ?

(*iv*) 'पृथ्वीराज रासो' की नायिका कौन हैं ?

(*v*) रहीम का पूरा नाम लिखिए।

(*vi*) कबीर की काव्यभाषा को किस नाम से जाना जाता है ?

(*vii*) 'कवितावली' किस भाषा में लिखी गई है ?

(*viii*) कबीर के गुरु का नाम लिखिए।

(*ix*) 'कीर्तिलता' किसकी कृति है ?

(*x*) भक्ति काव्य में 'मर्यादा पुरुषोत्तम' किसे कहा गया है ?

(*xi*) केशवदास की किसी एक कृति का नाम लिखिए।

(*xii*) 'भ्रमरगीत' किसकी रचना है ?

(*xiii*) 'कठिन काव्य का प्रेत' किस कवि को कहा गया है ?

(*xiv*) रामभक्ति काव्यधारा के किसी एक कवि का नाम लिखिए।

(*xv*) हिन्दी का पहला महाकाव्य किसे माना जाता है ?

(*xvi*) बिहारी के आराध्य देव का नाम लिखिए।

(*xvii*) 'पद्मावत' में नागमती कहाँ की रानी बताई गई है ?

(*xviii*) भक्तिकाल के किस कवि को समाज सुधारक भी कहा जाता है ?

(*xix*) 'बिनु पानी सब सून' पंक्ति के लेखक कौन हैं ?

(*xx*) 'रामचरितमानस' किस भाषा में लिखा गया है ?

———